राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में,

पाठ्यपुस्तकों में स्थानीय भाषाओं का समावेशन कार्यशाला

(आयोजन तिथि – 21 से 25 जनवरी 2026)

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बड़कोट उत्तरकाशी

पाठ्यपुस्तकों में स्थानीय भाषाओं के समावेशन कार्यशाला सम्पन्न

■ डायट बड़कोट में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में हुई कार्यशाला

शाह टाइम्स संवाददाता

उत्तरकाशी: जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) बड़कोट, उत्तरकाशी में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में पाठ्यपुस्तकों में स्थानीय भाषाओं के समावेशन कार्यशाला का आयोजन किया संपन्न है गया।

बता दें डायट बड़कोट में बीते 21 जनवरी से उक्त कार्यशाला शुरू की गई थी रविवार को संपन्न हुआ है। कार्यशाला में जनपद के विभिन्न विकासखंडों से आये शिक्षकों ने जनपद उत्तरकाशी की प्रमुख स्थानीय भाषाओं रंवाल्टी, बांगाणी और जाड को पाठ्यपुस्तकों में शामिल करने के उद्देश्य से इन स्थानीय भाषाओं में पाठ्यवस्तु का निर्माण किया गया। इस कार्यशाला में पर्यावरण अध्ययन कक्षा 5 की पाठ्यवस्तु को स्थानीय भाषा में अनुवाद किया गया साथ ही पाठ्यवस्तु में स्थानीय ज्ञान परम्परा को शमिल करने के लिये भी विभिन्न विषयवस्तु को भी निर्मित किया गया है। कार्यशाला में संस्थान के प्राचार्य संजीव जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि स्थानीय भाषा में पाठ्य वस्तु निर्माण का यह कार्य एक नावाचारी प्रयास है जो नई शिक्षा नीति 2020 को धरातल पर उतारने की अनूठी पहल है, इससे नि:सन्देह इन भाषाओं की विशिष्ठ ज्ञान परम्पराओं का संरक्षण भी किया जा सकेगा, उन्होंने इस कार्य को और अधिक विस्तारित करने के लिये भविष्य में कार्यायोजना निर्मित करने हेतु निर्देशित भी किया ,इस कार्यशाला का समन्वयन संस्थान के प्रवक्ता शांति रतूड़ी ने किया।

डायट में पाठ्य पुस्तकों में स्थानीय भाषाओं के समावेशन को हुआ कार्यशाला का आयोजन

बड़कोट (बद्री विशाल)। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बड़कोट में 21 से 25 जनवरी तक आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में पाठ्यपुस्तकों में स्थानीय भाषाओं के समावेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में जनपद के विभिन्न विकासखंडों से आये शिक्षकों द्वारा जनपद उत्तरकाशी की प्रमुख स्थानीय भाषाओं रंवाल्टी, बांगाणी और जाड को पाठ्य पुस्तकों में शामिल करने के उद्देश्य से इन स्थानीय भाषाओं में पाठ्यवस्तु का निर्माण किया गया। इस कार्यशाला में पर्यावरण अध्ययन कक्षा 5 की पाठ्यवस्तु को स्थानीय भाषा में अनुवाद किया गया। साथ ही पाठ्यवस्तु में स्थानीय ज्ञान परम्परा को शमिल करने के लिये भी विभिन्न विषयवस्तु को भी निर्मित किया गया है। कार्यशाला में संस्थान के प्राचार्य ने अपने संबोधन में कहा कि स्थानीय भाषा में पाठ्य वस्तु निर्माण का यह कार्य एक नावाचारी प्रयास है जो नई शिक्षा नीति 2020 को धरातल पर उतारने की अनूठी पहल है, इससे नि:सन्देह इन भाषाओं की विशिष्ठ ज्ञान परम्पराओं का संरक्षण भी किया जा सकेगा। उन्होंने इस कार्य को और अधिक विस्तारित करने के लिये भविष्य में कार्यायोजना निर्मित करने हेतु निर्देशित भी किया। कार्यशाला का समन्वयन संस्थान के प्रवक्ता शांति रतूड़ी ने किया।

प्रशासनिक भवन
जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान
बड़कोट उत्तरकाशी
जनपद शिक्षा - प्रशिक्षण संस्थानं
बड़कोट उत्तरकाशी

जिला शिक्षा एवम् प्रशिक्षण संस्थान
बड़कोट (उत्तरकाशी)
It is the supreme art of the teacher to awaken joy in creative expression and knowledge
राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में,
पाठ्यपुस्तकों में स्थानीय भाषाओं का
समावेशन कार्यशाला

powerful weapon
change the world.
जिसका उपयोग
लिए कर सकते हैं।
Nelson Mandela
बड़कोट